सेवा में,

दिनांक – 02 / 11 / 2022

प्राचार्य

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत

विषयः एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर भूगोल(२०२२) के छात्र / छात्राओं के शैक्षिक भ्रमण / क्षेत्रीय अध्ययन के समबन्ध में।

महोदय

निवेदन इस प्रकार है कि भूगोल के एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर भूगोल के छात्र / छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण / क्षेत्रीय अध्ययन हेतु डा0 बी0 बी0 भट्ट एवं श्री मोहन चन्द्र पलड़िया के निर्देशन में दिनांक 03 / 11 / 2022 को 03 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण / क्षेत्रीय अध्ययन हेतु **नानक सागर डैम, औद्योगिक क्षेत्र सितारगंज (उधमसिंह नगर) तथा जमरानी बॉध (हलद्वानी,नैनीताल)** जाना निश्चित हुआ है। इसमें कुल 11 छात्राऐं सम्मिलित हैं।

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त प्रयोजन हेतु अनुमति एवं सम्बन्धित शिक्षक एवं कर्मचारी को नियमानुसार यात्रा व दैनिक भत्ता देने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

नियमानुसार देय
हे० अनुमन्य
02.11.22

भवदीय

प्रभारी

(डा0 बी0 बी0 भट्ट)
भूगोल विभाग

भूगोल विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत

शैक्षिक भ्रमण के उद्देश्य

शैक्षिक भ्रमण के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

1- छात्रों में उत्तरदायित्व समझने एवं निरीक्षण करने की दशा का विकास करना।

2- छात्रों को विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक महत्व तथा घटनाओं के बारे में जानकारी देना।

3- छात्रों में विभिन्न विषयों के प्रति रूचि विकसित करना।

4- सैद्धान्तिक ज्ञान का संबंध व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ना।

5- छात्रों में स्वंय अवलोकन एवं निरीक्षण करने की दशा का विकास करना।

6- प्राकृतिक वातावरण में अपनाये गए नियमों को देखकर निष्कर्ष पर पहुँचना।

7- शैक्षिक भ्रमण शक्तिशाली, साकारात्मक शिक्षण उपकरण है जो सभी विद्यार्थियों के सामाजिक, व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को बढ़ाने में मदद करता है।

8- यह ऐसी अवधारणाओं, विचारों और व्यवहारिक अनु-भवों का परिचय देता है जिन्हें कक्षा के वाता-वरण में प्रदान नहीं किया जा सकता है।

9- एक - दूसरे के साथ तथा एक - दूसरे की संस्कृति को जानने का अवसर मिलता है।

10- नवीन ज्ञान की प्राप्ति होती है।

यात्रा प्रारम्भ

शैक्षणिक भ्रमण का दिन बृहस्पति वार (3/11/2022) तय किया गया था जिसमें मैं और मेरे 9 सहपाठी भ्रमण पर जाने वाले थे मेरा घर रानीखेत से 11 किमी. हल्द्वानी की ओर जैनोली (तुड़िया सुयाल) पर स्थित है, अतः मुझे यही से यात्रा प्रारंभ करनी थी, मेरे सहपाठी और श्री बसंत बल्लभ भट्ट गुरु जी रानीखेत से बस में सवार हुए और लगभग आधे घण्टे बाद (लगभग 9:45) बस मेरे घर पहुंची अब यहाँ से मैंने भी अपनी यात्रा प्रारंभ की मेरे घर से लगभग 3 Km (हल्द्वानी की ओर) की दूरी पर उपराड़ी गाँव से हमारी एक और सहपाठी बस में सवार हुई। अब हम बस में कुल 14 लोग सवार थे, जिसमें चालक, परिचालक, दो गुरुजी और दस छात्राएं थी,

इसके बाद हम सभी सहपाठी मस्ती करते हुये नानक सागर बाँध की ओर निकल पड़े, मेरे घर से नानक सागर बाँध (ऊधम सिंह नगर) की दूरी लगभग 125 किलोमीटर है। रास्ते में हमारी बस खैरना, भवाली, ज्योलीकोट होते हुए निकली,

इसके बाद हम सभी रेस्टोरेन्ट पर उतरे कुछ लोग घर से खाना लाये थे और कुछ लोगों ने रेस्टोरेन्ट पर खाना खाया यहाँ से नानक सागर बाँध लगभग डेढ़ घण्टे की दूरी पर था, नानक सागर बाँध जाते हुये हमने अनेक प्रकार के पेड़ - पौधे, घने वन, व रास्तो में कई कारखाने जिनसे निकलता हुआ काला धुंआ और गन्ने की खेती देखी,

नानक सागर बाँध

देवहा नदी पर स्थित यह बाँध 19.2 किलोमीटर लम्बा है तथा लगभग रु० 1.80 करोड़ की लागत से बना है। इस बाँध का नामकरण सुनाम धन्य श्री गुरु नानक जी की स्मृति में हुआ है। इस बाँध का निर्माण कार्य अप्रैल 1956 ई० में आरम्भ होकर जून 1962 में अधिकतया पूर्ण हो गया। यह जलाशय प्रथम बार 1962 की वर्षा ऋतु में भरा गया। इसमें 59.82 मिलियन घन मी० (46500 एकड़ फुट) जल संचित करके सिंचाई के कामों में लाया गया।

इस योजना से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिंदु निम्न है -

जलाशय	मीट्रिक प्रणाली	ब्रिटिश प्रणाली
पूर्ण जल स्तर	215.19 मी॰	706 फुट
अनुपयोगी जल स्तर	207.26 मी॰	680 फुट
अधिकतम बाढ़ स्तर	215.95 मी॰	708.5 फुट
बाँध की टाप का स्तर	217.02 मी॰	712 फुट
बाँध की पैरापिट स्तर	217.63 मी॰	714 फुट
उपयोगी क्षमता	199.83 मि॰ घ.मी॰	162,000 एकड़ फुट
बाँध की लम्बाई	192 कि॰मी॰	12 मील
जलाशय का क्षेत्रफल	49 वर्ग कि॰मी॰	19 वर्ग मील
जल ग्रहण क्षेत्र	570 वर्ग कि॰मी॰	220 वर्ग मील
शिखर मार्ग की चौड़ाई	4.3 मी॰	14 फुट
सम्बन्धित लहरों की लं॰	580 कि॰मी॰	360 मील
कार्य आरम्भ करने की तिथि	अप्रैल 1956	—
कार्य समाप्ति की तिथि	जून 1962	—

स्पिलवे	मीट्रिक प्रणाली	ब्रिटिश प्रणाली
क्षमता	1600 क्यूमेक	56500 क्यूसेक
फाटको की संख्या	7 अदद	
फाटको की माप	6.1 x 4.6 मी॰	20 x 15 फुट
क्रेस्ट स्तर	207.26 मी॰	680 फुट
अधिकतम प्रपात	10.4 मी॰	34
लागत	27.5 लाख रु॰	
भूमि तथा पुनर्वास		
पूर्णतया जलमग्न ग्रामों की सं॰	14 अदद	—
आंशिक जलमग्न ग्रामों की सं॰	1 अदद	—
विस्थापित परिवारों की संख्या	793 अदद	—
लाभ		
प्रस्तावित वार्षिक सिंचाई	39154 हैक्टेयर	96750 एकड़
अनाज की अतिरिक्त उपज	1.0 लाख टन / वर्ष	—
मत्स्य उत्पादन	200 टन / वर्ष	—

	स्पिलवे	मौलिक प्रणाली	ब्रिटिश स०
1.	क्षमता	1600 क्यूसेक	56500 क्यूसेक
2.	फाटकों की संख्या	7 अदद	—
3.	फाटकों की माप	6.1 x 4.6 मी०	20 x 15 फुट
4.	क्रेस्ट स्तर	207.26 मी.	680 फुट
5.	अधिकतम प्रपात	10.4 मी०	34 फुट
6.	लागत	27.5 लाख रु०	
	भूमि तथा पुनर्वास		
1.	पूर्णतया जलमग्न ग्राम संख्या	14 अदद	—
2.	आंशिक जलमग्न ग्राम संख्या	1 अदद	—
3.	विस्थापित परिवार संख्या	723 अदद	—
	योजना की लागत	1.8 करोड़	—
	लाभ		
	प्रस्तावित वार्षिक सिंचाई	39154 हेक्टर	96750 एकड़
	अनाज की अतिरिक्त उपज	1.0 लाख टन / वर्ष	
	मत्स्य उत्पादन	200 टन वर्ष	—

भ्रमण

प्रातः/सुबह 9:00am
लंगर

प्रातः 8:00am
गुरुद्वारा

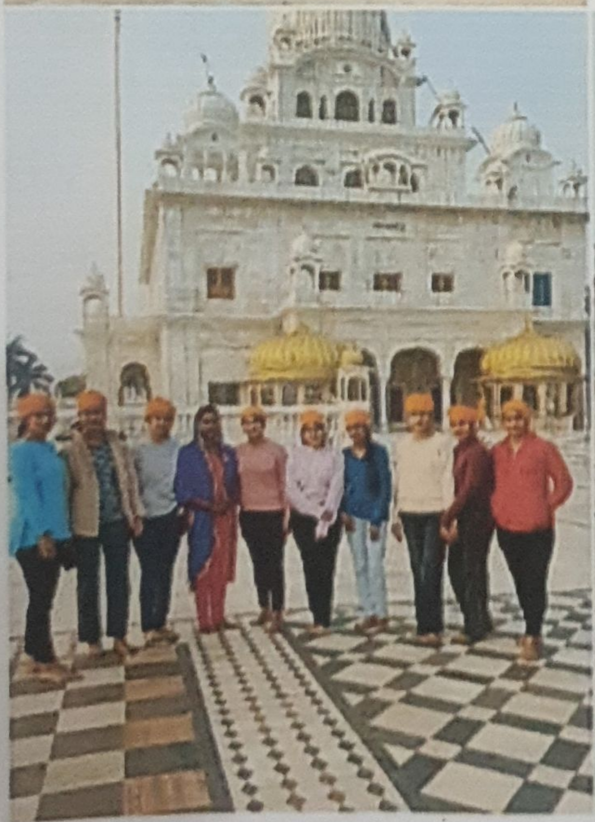

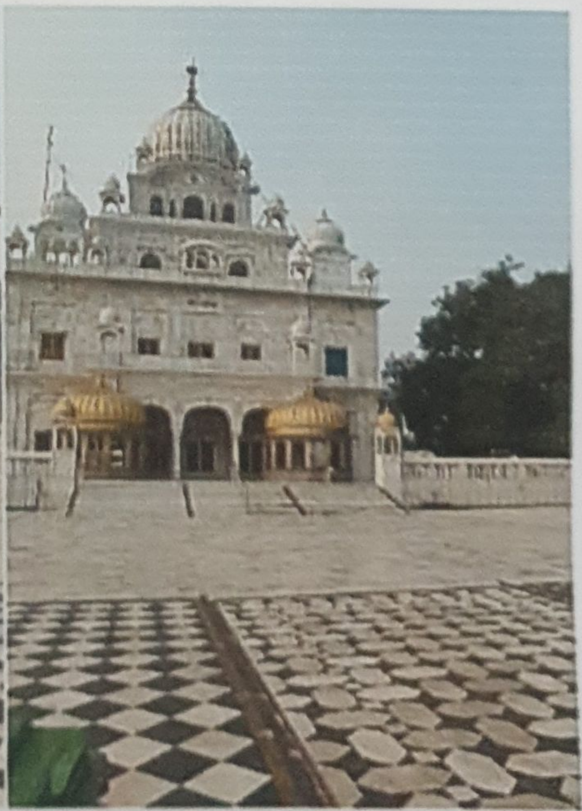

नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा

नानकमत्ता एक ऐतिहासिक शहर है जिसका नाम सिख तीर्थ स्थान गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब से पड़ा। यह दयोहा नदी के किनारे पर स्थित है, जिसको बाद में नानक सागर नामक जलाशय में परिवर्तित कर दिया गया। गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब प्रथम सिख गुरु, गुरु नानक देव जी से सम्बन्ध है, जिन्होंने इस स्थान पर 1514 ईसवी के दौरान अपना तीसरा उदासी दौरा किया था। बाबा अलमस्त साहिब जी एवं गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने भी यहाँ का दौरा किया था।

उस समय इस स्थान पर सिद्ध (योगियों गुरु गोरखनाथ के भक्तों) का निवास था और उन्हे गोरखमता बुलाया गया था, यहाँ रहने वाले सिद्धस्थानीय जनता को पर्याप्त शिक्षित नहीं करना चाहते थे ताकि उनकी श्रेष्ठता को चुनौती ना मिले, गुरु जी ने योगियों को सच्चा ध्यान एवं मोक्ष का मार्ग सिखाया। बाद में स्थान नानकमत्ता के रूप में जाना जाता है।
नानकमत्ता का अक्षांशीय तथा देशांतरीय विस्तार -

अक्षांश - 29°12'10.58"N, देशांतर - 78°58'56.09"E

APPU DATE..................
PAGE..................

शैक्षिक भ्रमण / अध्ययन २०२२

३, ४ एवं ५ नवम्बर २०२२

नानक सागर डैम, औद्योगिक क्षेत्र सितारगंज (ऊ०सि० नगर)

एम० ए० (भूगोल) चतुर्थ सेमेस्टर

	नाम	हस्ताक्षर
1-	अंजली	Anjali
2-	भावना आर्या	भावना आर्या
3-	भावना	भावना
4-	ज्योति मेहरा	Jmehra
5-	ज्योति	Jyoti
6-	जागृति रावत	Jagriti
7-	कंचन	Kanchan Bisht
8-	निकिता	Nikita
9-	रेनू	Renu
10-	स्निग्धा	Snigdha
11-	हिमानी सती	हिमानी सती

Dr. B. B. Bhatt
भूगोल विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत

अभिभावक का अनुमति पत्र

मैं देवेन्द्र पिता कु० जागृति अपनी पाल्या को एम० ए० (चतुर्थ सेमेस्टर) भूगोल प्रयोगात्मक परीक्षा के अनिवार्य शैक्षणिक भ्रमण / अध्ययन हेतु (दिनांक - 03/NOV/2022 को जा रहे तीन दिवसीय) नानक सागर डैम (उधम सिंह नगर) जाने की पूर्ण अनुमति प्रदान करता हूँ।

अतः मेरी पाल्या शैक्षणिक भ्रमण हेतु शारीरिक व मानसिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ है तथा भ्रमण के दौरान यह अनुशासित रहेगी।

हस्ताक्षर

अभिभावक - श्री देवेन्द्र सिंह रावत
पता - ग्राम - तल्ली रियूनी
पो० आ० - मजखाली
तहसील - रानीखेत (अल्मोड़ा)